[RAJYA SABHA]

दूध का उम्पादन

2219. सरदार जगजात सिंह अरेड़ा: श्री राम जेठमलानी:

क्या ृतीष मंत्री यह बताने की इत्पा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि गत जुछ वर्षों के दौरान देश में दूध के उत्सदन में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो 1988 के दौरान देश में दूध की प्रति व्यक्ति खपल कितनी थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश के कई हिसों में दूध की मांग कम होने के कारण अधिक दूध उत्पादन भी एक समस्या वन गया है;

(घ) यदि हां,तो उन राज्यों के ाम क्या-क्या हैं जो इस प्रकार की समस्था का सामना कर रहे हैं; ग्रौर

(ङ) क्या सरकार ने उन दूध उत्पा-दकों की, जिनके समक्ष यह समस्या उत्पन्न हो रही है, मुरझा के लिए कोई तात्कालिक कदम उठाये हैं, यदि हां, तो इस संबंध में व्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उप-प्रधान संदर्भ और ्षि संदर्भ (आ) देवी पाल): (क) और (ख) जी हां। 1988-89 के दौरान देण में दूध की प्रति व्यक्ति अनुमानित खपत प्रतिवर्ष 59.3 कि० ग्रा० थी।

(ग) और (घ) 1985-90 के दौरान महकारी डेयरियों ढारा दिपणित ूध में लगभग 38 प्रतिणत की वृद्धि हुई । हालांकि मुख्य रूप से सूखे की विद्यसान परिस्थि-तियों के कारण दूध की अधिप्राफ्ति प्रति-दिन लगभग 79 लाख लीउर के स्तरपर रही थी । यत: प्राय: सभी राज्यों की दुग्ध महकारी समितियों तरल दुग्ध के विपणन का विस्तार करने में धीमी थी। 1989-- अ की वहुलता की ग्रवधि के दौरान दुग्ध अधिप्राप्ति में मौसमी वृद्धि के साथ, कुछ राज्यों जैसे गुजरात, महा-राष्ट्र, मध्य प्रदेश कर्नाटक तथा केरल में त्रनेक सहकारी दुग्ध सर्घों को दुग्ध परिसंस्करण, विपणन तथा दुग्ध सुखाने की क्षगताओं में वाधायों के कारण दूध की संभाल करने में कुछ सनस्यायों का सामना करना पड़ा।

(ङ) राष्ट्रीय डेरी थिकास वोर्ड ग्रापरेजन फ्लड-3 के ग्रन्तर्गत दुग्ध परि-संस्करण तथा डमे जुष्क वनाने की क्षम-ताग्रों के विस्तार को उच्च प्राथमिकता दे रहा है।

Disciplinary action against Assistant Manager of NCCF (Delhi Branch)

2220, SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to refer to reply to Unstarred Question 1871 given in Rajya Sabha on 25th November, 1988 and state:

(a) what penalty was imposed on the said Assistant Manager in view of the then President NCCF and the findings of the Enquiry that Assistant Manager bad committed "Procedural lapses" in the sale of Merchandise goods;

(b) what penalty has been awarded to him for the procedural lapses for excess supply of controlled cloth to Sikkim State;

(c) whether the said Assistant Manager was also alleged for molesting the lady co-worker in the office premises; and

(d) if so, what renalty was awarded to him for this immoral act?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI NATHU RAM MIRDHA): (a) No penalty was imposed on the Assit. Manager in respect of the sale of general merchandise goods during 1978-79.

(b) A minor penalty of withholding of two annual increments without cumulative effect was imposed in December, 1989.

(c) and (d) There was a complaint alleging misbehaviour towards a lady co-